Total Pages : 5 Roll. No. : .....

Examination Session June-2022

(Fourth Semester)

MASL-606

संस्कृत (MASL)

[काव्यशास्त्र भाग - 02]

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 2×20=40

1. आचार्य मम्मट द्वारा प्रतिपादित काव्य के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

2. अलंकार का स्वरूप बताते हुए उसके क्रमिक विकास की विवेचना कीजिए।

3. आचार्य भरत से लेकर अन्य आचार्यों के मतों का उल्लेख करते हुए मम्मट प्रतिपादित काव्य प्रयोजनों की व्याख्या कीजिए।

4. काव्यशास्त्र में काव्यहेतु को रेखांकित कीजिए।

5. आचार्य आनन्दवर्धन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का वर्णन कीजिए।

अथवा

आचार्य कुन्तक के व्यक्तित्व एवं कृतिव्य का वर्णन कीजिए।

8. सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

सामान्यं वा विशेषो वा तदन्येन समर्थ्यते।

यत्तु सोऽर्थान्तरन्यासो साधर्म्येणेतरेण वा।।

अथवा

उपमा अलंकार– एवं अतिशयोक्ति अलंकार का सभेद निरुपण कीजिए।

****

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 4×10=40

1. काव्यशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा का वर्णन कीजिए।

2. किन्हीं चार पर सारगर्भित टिप्पणी लिखिए :

   (a) संकर अलंकार

   (b) रूपक अलंकार

   (c) आचार्य मम्मट्

   (d) आचार्य भामह

   (e) संसृष्टि अलंकार

   (f) आचार्य आनन्दवर्धन

3. आचार्य मम्मट के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 4×10=40

1. काव्यशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा का वर्णन कीजिए।

2. किन्हीं चार पर सारगर्भित टिप्पणी लिखिए :

(a) संकर अलंकार

(b) रूपक अलंकार

(c) आचार्य मम्मट्

(d) आचार्य भामह

(e) संसृष्टि अलंकार

(f) आचार्य आनन्दवर्धन

3. आचार्य मम्मट के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का वर्णन कीजिए।

MASL-606/5 (3) [P.T.O.]

4. आचार्य मम्मट द्वारा प्रतिपादित काव्य लक्षण की व्याख्या कीजिए।

5. 'काव्यप्रकाश' पर पण्डितराज जगन्नाथ की आलोचना को प्रतिपादित कीजिए।

6. रसभेद पर निबन्ध लिखिए।

7. प्रस्तुत श्लोक की व्याख्या कीजिए :

यः कौमारहरः स एव हि वरस्ता एव चैत्रक्षपास्ते
चोन्मीलितमालतीसुरभयः प्रौढाः कदम्बानिलाः।
सा चैवास्मि तथापि तत्र सुरतव्यापारलीलाविधौ
रेवारोधसि वेतसीतरूतले चेतः समुत्कण्ठते।।

अथवा

वाच्यभेदेन भिन्नाः यद् युगपद्भाषणस्पृशः।
श्लिष्यन्ति शब्दाः श्लेषोऽसावक्षरादिभिरष्टधा।।

4. आचार्य मम्मट द्वारा प्रतिपादित काव्य लक्षण की व्याख्या कीजिए।

5. 'काव्यप्रकाश' पर पण्डितराज जगन्नाथ की आलोचना को प्रतिपादित कीजिए।

6. रसभेद पर निबन्ध लिखिए।

7. प्रस्तुत श्लोक की व्याख्या कीजिए :

यः कौमारहरः स एव हि वरस्ता एव चैत्रक्षपास्ते
चोन्मीलितमालतीसुरभयः प्रौढाः कदम्बानिलाः।
सा चैवास्मि तथापि तत्र सुरतव्यापारलीलाविधौ
रेवारोधसि वेतसीतरूतले चेतः समुत्कण्ठते।।

अथवा

वाच्यभेदेन भिन्नाः यद् युगपद्भाषणस्पृशः।
श्लिष्यन्ति शब्दाः श्लेषोऽसावक्षरादिभिरष्टधा।।

MASL-606/5 (4)